साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 159 | जौनपुर, मंगलवार, 05 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नीतीश कुमार ने पटना में राष्ट्रीय डाल्फिन अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन किया

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र (एनडीआरसी) का उद्घाटन किया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री प्रेम कुमार ने उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से कहा, "एनडीआरसी गंगा डॉल्फिन के अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं के लिए एक संग्रहण स्थल के रूप में काम करेगा। यह केंद्र डॉल्फिन के व्यवहार को समझने और अनुसंधान करने के लिए एक मंच प्रदान करने के साथ गंगा डॉल्फिन संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा। इस अवसर पर विभाग की सचिव बंदना प्रेयशी ने कहा कि एनडीआरसी जो पटना में गंगा नदी के किनारे स्थित है, न केवल भारत में बल्कि पूरे एशिया में अपनी तरह का पहला केंद्र है। प्रेयशी ने कहा, "एनडीआरसी का लक्ष्य डॉल्फिन अनुसंधान के लिए एक व्यापक सुविधा के रूप में काम करना है, जिसमें एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं। शोधकर्ता उनके प्राकृतिक आवास में डॉल्फिन के व्यवहार के विभिन्न पहलुओं पर गौर करेंगे, उनके भोजन की आदतों और बदलते परिवेश में अनुकूलन जैसे कारकों का अध्ययन करेंगे।

युवाओं के जज्बे और जोश के साथ नशे को जड़ से खत्म करने में कामयाबी मिलेगी – खट्टर

चड़ीगढ, एजेसी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान उपस्थित जनसमूह से आस–पास कचरा मुक्त वातावरण रखने के लिए 'स्वच्छता सैनिक बनने' का संकल्प लेने का आह्वान भी किया। उन्होंने हाफ मैराथन की विभिन्न श्रेणियों के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "नशे के विरूद्ध युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से छेड़ी गई हमारी मुहिम में प्रदेश के युवाओं का हमें भरपूर साथ मिल रहा है। उन्होंने कहा, आज फरीदाबाद हाफ मैराथन में पहुंचकर हमारे युवाओं का जज़्बा और जोश देखा एवं उनका उत्साहवर्धन किया। इसी मजबूत इच्छाशक्ति और दृढ़ निश्चय के साथ हम निश्चित ही नशे को जड़ से खत्म करने में कामयाब होंगे। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, "मैं घोषणा करता हूं कि अक्टूबर महीने के पहले रविवार को हर साल फरीदाबाद मैराथन का आयोजन होगा। स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हम अगर अपने आसपास साफ–सफाई रखेंगे तो इससे हमारी सेहत भी ठीक रहेगी। उपस्थित जनसमूह से आस– पास कचरा मुक्त वातावरण रखने के लिए 'स्वच्छता सैनिक बनने' का संकल्प लेने का आह्वान भी किया।

लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा उम्मीदवारों की दूसरी सूची जल्द आने की संभावना – बी एस येदियुरप्पा

बेंगलुरु, एजेंसी। भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने सोमवार को संकेत दिया कि आगामी लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की दूसरी सूची को बुधवार को अंतिम रूप दिये जाने की संभावना है। भाजपा ने दो मार्च को 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 195 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। येदियुरप्पा ने कहा कि वह बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''परसों (बुधवार को) दिल्ली में बैठक है। मैं वहां जा रहा हूँ। संभवतः

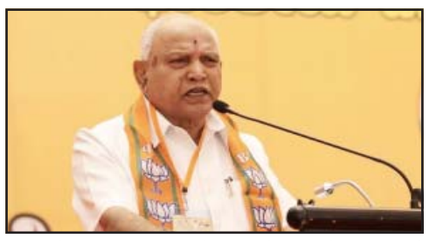

कर्नाटक सहित दूसरी सूची (लोकसभा उम्मीदवारों की) को अंतिम रूप दिया जा सकता है। इसलिए, मैं दिल्ली जा रहा हूं। मेरा मानना है कि बुधवार को सूची को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सूची पर अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व लेगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उम्मीदवारों की दूसरी सूची में कर्नाटक के सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों (लोकसभा सीट) के लिए उम्मीदवारों के नाम होंगे, येदियुरप्पा ने कहा, ''संभवतः कोई देरी नहीं होगी। सभी सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा हो सकती है'' कर्नाटक में कुछ नये चेहरों को टिकट दिये जाने की संभावना पर उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के मन में क्या है। अंतिम निर्णय दिल्ली में पार्टी के नेताओं द्वारा लिया जाएगा।'' पार्टी के वरिष्ठ नेता ने यह भी नहीं बताया कि राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) को कितनी सीट दी जाएगी।

परिवारवादी पार्टियां सिर्फ और सिर्फ अपने भविष्य की सोचती - पीएम मोदी

चेन्नई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए मिशन दक्षिण भारत के तहत आज एक बार फिर से प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के दौरे पर हैं। चेन्नई में एक सभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि जब भी मैं चेन्नई आता हूं, यहां के लोगों से मुझे ऊर्जा महसूस होती है। इस शहर में रहना बहुत अच्छा है जो जीवन से भरपूर है। चेन्नई प्रतिभा, व्यापार और परंपरा का भी एक बड़ा केंद्र है। विकसित भारत के निर्माण के हमारे मिशन में, चेन्नई के लोग बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर तंज भरे लहजे में कहा कि मैं जब भी चेन्नई आता हूं तो कुछ लोगों को पेट दर्द हो जाता है। उन्हें ईर्ष्या होती है... उन्हें परेशानी होती है...यह देखकर कि यहां बीजेपी का जनाधार कैसे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि मैंने श्विकसित भारतश के निर्माण के साथ–साथ श्विकसित तमिलनाडुश के निर्माण का भी संकल्प लिया था। हमें मिलकर भारत को दुनिया की टॉप–3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाना होगा। और इसमें तमिलनाडु की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीजेपी की केंद्र सरकार तमिलनाडु के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए भारत सरकार अनेक योजनाओं का पैसा सीधे यहां के लाभार्थियों को भेज रही है। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के लाखों करोड़ रुपये लूटने में डीएमके को दिक्कत आ रही है, इस बात

से यहां का एक परिवार बहुत परेशान है इसलिए डीएमके के लोग सोच रहे हैं कि अगर पैसे नहीं तो कम से कम इन कामों का क्रेडिट ही ले लें... मैं डीएमके को बताना चाहता हूं कि मोदी तमिलनाडु के लोगों का पैसा आपको लूटने नहीं देगा। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि परिवारवादी पार्टियां सिर्फ और सिर्फ अपने भविष्य की सोचती हैं, जबकि मोदी देश के भविष्य का सोचकर काम कर रहा है। परिवारवादी पार्टियों के समय देश के 18,000 गांव में बिजली नहीं थी, देश के ढाई करोड़ से ज्यादा घर अंधेरे में थे।

केंद्र सरकार की नीयत रोजगार देने की नहीं - राहुल गांधी

मध्य प्रदेश, एजेंसी। राहुल गांध ाी ने मध्य प्रदेश के गुना से भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर से शुरू की। राजगढ़ में राहुल गांधी ने कहा कि भारत का एक्स–रे जातीय जनगणना से होना चाहिए। इससे सभी को पता चल जाएगा कि यहां कितने दलित, पिछड़े वर्ग और आदिवासी समुदाय हैं और उनके पास कितनी संपत्ति है। आज का युग डेटा का है। इसलिए डेटा इकट्ठा करें और सबको बताएं कि किसके पास कितनी संपत्ति है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा क्रांतिकारी काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का आपको नौकरी देने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने अग्निवीर योजना दी है, फिर वे परीक्षा के पेपर लीक करते हैं... क्योंकि वे किसी को सरकारी नौकरी नहीं देना चाहते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं के लिए अग्निवीर जैसी स्कीम लाती है और सेना में जाने के रास्ते बंद कर देती है। ये युवाओं को रोजगार नहीं देते और पेपर लीक कराते हैं। क्योंकि

ये सरकार युवाओं को रोजगार नहीं देना चाहती है। उन्होंने कहा कि युवा वर्षों मेहनत करके पढ़ाई करता है लेकिन जब वह परीक्षा देने जाता है तो किसी अमीर छात्र के पास पहले से ही फोन पर पेपर होता है। इस कारण गरीब छात्र की वर्षों की मेहनत और समय खराब हो जाता है। देश में रोजगार का ये हाल है। उन्होंने बार–बार जोर दिया कि जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय के लिए क्रांतिकारी कदम है। राहुल ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि देश की जनता के जेब में पैसे आएं, आपके लिए बैंक के दरवाजे खुलें, आपका कर्ज माफ हो, आपको रोजगार मिले, देश में महंगाई कम हो। इसीलिए हमने श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश शुरू की है। राहुल गांधी ने दावा किया कि महत्वपूर्ण विभागों में ही देखें तो रेलवे में 2.93 लाख, गृह मंत्रालय में 1.43 लाख और रक्षा मंत्रालय में 2.64 लाख पद खाली हैं।

उन्होंने सवाल किया, क्या केंद्र सरकार के पास इस बात का जवाब है कि 15 प्रमुख विभागों में 30 प्रतिशत से अधिक पद खाली क्यों हैं? 'झूठी गारंटियों का झोला' लेकर घूम रहे प्रध ाानमंत्री के अपने ही कार्यालय में बड़ी संख्या में अति महत्वपूर्ण पद खाली क्यों हैं? उन्होंने आरोप लगाया, स्थाई नौकरी देने को बोझ मानने वाली भाजपा सरकार लगातार संविदा व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है, जहां न सुरक्षा है और न सम्मान।

किसानों के साथ `दुश्मनों जैसा व्यवहार' कर रही है सरकार – खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सरकार की गारंटी फर्जी साबित हुई है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, अपने चुनिंदा पूंजीपति मित्रों

अपना आधिकार मांग रहे किसानों के साथ 'दुश्मनों जैसा व्यवहार' कर रही है। उन्होंने यह दावा भी किया कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने और उनकी आय दोगुनी करने की को फायदा पहुंचाने के लिए, मोदी सरकार ने किसानों के हितों की लगातार बलि दी है। जब देश का अन्नदाता किसान बंपर फसल पैदा कर निर्यात करना चाहता है तब मोदी सरकार गेहूं, चावल, चीनी, प्याज, दाल आदि के निर्यात पर पाबंदी लगा देती है! उन्होंने दावा किया कि अपने पूरे कार्यकाल में भाजपा ने ऐसा ही किया है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि कांग्रेस–संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के दौरान जो कृषि निर्यात 153 प्रतिशत बढ़ा था, वो भाजपा के राज में केवल 64 प्रतिशत ही बढ़ा।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार की एमएसपी व "दोगुनी आमदनी" की गारंटी तो फर्जी निकली ही, किसान विरोधी भाजपा ने हमारे 62 करोड़ किसानों की कमर तोड़ने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। खरगे ने आरोप लगाया कि अब जब किसान अपना हक मांग रहे हैं, तो मोदी सरकार उनसे दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है।

ढांचागत सुविधाओं का निर्माण करने में महाराष्ट्र अग्रसर – मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

ठाणे, एजेंसी। नागरिकों बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में देश में महाराष्ट्र अग्रसर है, यह प्रतिपादन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया। डोंबिवली स्थित मॉडर्न मॅटर्निटी होम

व कॅन्सर अस्पताल का भूमिपूजन और विभिन्न विकासकार्यों का आभासी मंच के द्वारा लोकार्पण मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों संपन्न हुआ, इस दौरान मुख्यमंत्री शिंदे बोल रहे थे। इस अवसर पर ठाणे जिले के पालकमंत्री शंभूराज देसाई, लोक निर्माणकार्य (सार्वजनिक उपक्रम को छोड़ कर) मंत्री रवींद्र चव्हाण, सांसद श्रीकांत शिंदे, विधायक रवींद्र फाटक आदि मान्यवर उपस्थित थे। शिंदे ने कहा कि ठाणे जिले में अनेक जगहों पर राज्य सरकार के जरिये विकास कामों को किया जा रहा है। नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के सहयोग से स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अन्य विविध लोकोपयोगी उपक्रम चलाएं जा रहें है। उन्होंने आगे कहा कि अंबरनाथ में चिकित्सा महा विद्यालय मंजूर हुआ है और वहां पर अधिष्ठाता थी नियुक्त किये है। कळवा स्थित अस्पताल के कार्डिओलॉजी, न्यूरोलॉजी विभाग कॅशलेस किया गया है। रेडियोलॉजी के माध्यम से जो इलाज होंगे, वह भी कम दर (माफक) दिए गए है। उसके लिए सांसद डॉ। श्रीकांत शिंदे ने निरंतर पहल करने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री शिंदे ने उनका अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि महात्मा फुले जन स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत इसके पहले डेढ़ लाख तक उपचार की सीमा थी।

प्रधानमंत्री के लिए विकास परियोजनाओं के कार्यक्रमों को 'इवेंट' में बदला गया - जयराम रमेश

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न राज्यों में जिन परियोजनाओं की शुरुआत कर रहे हैं वो सभी उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले की परियोजनाएं हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री एक 'इवेंट मैनेजर' हैं और विकास परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों को उनके लिए 'इवेंट' में बदला गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को तेलंगाना में बिजली, रेल और सड़क क्षेत्रों से संबंधित 56,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। तेलंगाना से पहले मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया था, ''अगले दो दिनों में मैं तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लूंगा। जिन विकास कार्यों का उद्घाटन किया जाएगा, वे कई क्षेत्रों को कवर करेंगे और कई लोगों के जीवन में बदलाव लाएंगे।'' रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री आज, कल और परसों विभिन्न राज्यों में उद्घाटन कार्यक्रमों में रहने वाले हैं। वह जिन परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं, वो लगभग सभी उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले की परियोजनाएं हैं। वे या तो अभी पूरी हुई हैं या पहले के ही परियोजनाओं की विस्तार हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''झूठ के जगतगुरु को मीडिया में बने रहने और अपने लिए फोटो खिंचवाने के अवसर पैदा करना है इसलिए इन कार्यक्रमों को इवेंट में बदला गया है।''कलपक्कम में प्लूटोनियम फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का कार्यान्वयन 22 वर्षों से भी अधिक समय से जारी है और जब मैंने

एक दशक पहले इसका दौरा किया था, तब यह 95 प्रतिशत से ज्यादा पूरा हो चुका था। लेकिन अब ऐसा दिखाने की कोशिश की जा रही है कि यह प्रधानमंत्री की ही देन ध्है।'' उन्होंने कहा, ''आज प्रधानमंत्री तेलंगाना में एनटीपीसी बिजली परियोजना को जनता को समर्पित कर रहे हैं। यह वास्तव में फरवरी 2014 के आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधि ानियम की एक दृढ़ प्रतिबद्धता थी। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने मंगलगिरि में एम्स की सुविधा और तिरूपति में आई.आई.टी के लिए क्रेडिट लिया, लेकिन दोनों फरवरी 2014 में जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे।

सीएम योगी ने महायोजना-2031 पर की चर्चा, ईज ऑफ लिविंग पर हो विकास प्राधिकरणों का फोकस

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर, मीरजापुर, बांदा, बस्ती, अमरोहा और फिरोजाबाद की महायोजना–2031 का अवलोकन किया और नियोजित विकास के लिए दिशा–निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विकास प्राधिकरणों का उद्देश्य सुनियोजित, संतुलित और तीव्र विकास को दिशा देना है। फोकस आम आदमी की सुविधाओं पर होना चाहिए। सभी विकास प्राधिकरणों को आय की नई संभावनाएं तलाशनी होंगी। स्थानीय शिल्पकला और परंपरागत उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए क्लस्टर विकसित किया जाए। प्रतिमाओं की स्थापना चौराहों के स्थान पर पार्कों में करना उचित होगा। नगरों में यातायात प्रबंधन एक महत्वपूर्ण विषय है। हमें इसके लिए ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। टैक्सी–ऑटो स्टैंड और स्ट्रीट वेंडर जोन तय होने चाहिए।

महायोजना में इसके लिए स्पष्ट भूमि चिन्हित होनी चाहिए। मल्टीलेवल पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान निध ारित करें। सहारनपुर देवभूमि का प्रवेश द्वार है। बीते 06–07 वर्षों में यहां न केवल व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आई है, बल्कि बेहतर होती कनेक्टिविटी और नगरीय सुविध ाओं के कारण लोग यहां स्थायी निवास भी बना रहे हैं। सहारनपुर की महायोजना में औद्योगिक–व्यावसायिक और आवासीय गतिविधियों के विकास के लिए सुनियोजित प्रावधान रखे जाएं। सहारनपुर में वुड कार्विंग क्लस्टर के लिए स्थान चिन्हित करें। वर्तमान में जहां काष्ठ शिल्प का हब है उससे यह स्थान बहुत दूर न हो। लॉजिस्टिक और वेयरहाउसिंग हब के लिए भी स्थान चिन्हित की जाए। आमजन के लिए प्राधिकरण द्वारा नई आवासीय परियोजना की कार्ययोजना तैयार की जाए। मिर्जापुर में मां विंध यवासिनी के पावन धाम के सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। यहां नवस्थापित मेडिकल कॉलेज और राज्य विश्वविद्यालय को भी महायोजना में शामिल करें।

पूछताछ के लिए सीएम केजरीवाल ने ईडी के समन पर रख दी शर्त, भाजपा ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पत्र लिखा है, जिसने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में आप नेता को सोमवार को आठवीं बार तलब किया था और कहा था कि वह जांच एजेंसी के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। 12 मार्च के बाद की तारीख मांगते हुए केजरीवाल ने कहा है कि वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सवालों का जवाब देंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरा हमेशा से यही रुख रहा है कि ईडी के समन अवैध हैं। मैंने उन्हें (ईडी) कई बार लिखा है लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। केजरीवाल ने दावा किया कि मैंने लिखा है कि मैं कुछ भी नहीं छिपा रहा हूं और आपके सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हूं और आप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछ सकते हैं। यह मेरा अधिकार है। मेरी तरफ से कोई मांग नहीं है, लेकिन अगर वे चाहें तो (प्रश्न) का सीधा प्रसारण कर सकते हैं। 26 फरवरी को सातवें समन में शामिल नहीं होने के बाद दिल्ली के सीएम को 4 मार्च को जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था, जिसमें कहा गया था कि चूंकि मामला अदालत के समक्ष था।

संपादकीय

डंकी पेगासस के रूप में

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में भारत के मजदूर फंसे हुए हैं। उन्हें वहां ठेकेदारों द्वारा श्सेना सुरक्षा सहायकश के रूप में काम करने के लिए लुभाया जाता है, चाहे इसका कोई भी मतलब हो, और झूठा आश्वासन दिया जाता है कि उन्हें युद्ध के मैदान में नहीं भेजा जाएगा। हो सकता है कि कुछ लोग रूसी सरकार के लिए नहीं बल्कि भाड़े की सेनाओं के लिए काम कर रहे हों। वादा किया गया मासिक वेतन – जो संभव नहीं है – भारत में उनकी संभावित वार्षिक आय से अधिक है। यह एक सामान्य पैटर्न का चरम उदाहरण है. लाखों भारतीय कामगार विदेशों में अस्थायी रोजगार चाहते हैं। बहुत से लोग स्थानीय कानून, प्राकृतिक न्याय और मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हुए शोषणकारी या यहां तक कि अमानवीय परिस्थितियों में काम करते हैं। श्रम का निर्यात अन्य सभी निर्यातों से मौलिक रूप से भिन्न है क्योंकि निर्यातकों को खुद को स्थानांतरित करना होगा। यह नजरअंदाज करना आसान है कि जो निर्यात किया जा रहा है वह उनका श्रम है, न कि इसे प्रदान करने वाले मनुष्य। यह सबसे बुरी स्थिति में गुलामी होगी और सबसे अच्छी स्थिति में गिरमिटिया मजदूरी होगी, जो लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ असंगत होगी। जब हमारे नागरिक विदेश में देश के लिए ध ान कमा रहे हों तो भारतीय राज्य को उन अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। मेरे पास आंकड़े नहीं हैं (किसी के पास हैं?), लेकिन इस बात के लगातार सबूत हैं कि उन्हें हमेशा ऐसी सुरक्षा नहीं मिलती है, 2022 विश्व कप से पहले कतर में बड़े पैमाने पर पीड़ितों से लेकर हमारे अपने राजनयिकों द्वारा प्रताड़ित घरेलू कामगारों तक। जैसा कि अंतिम उदाहरण, हालांकि दुर्लभ, इंगित करता है, रक्षा करने में विफलता का हमारे अपने समाज की अंतर्निहित अधर्मताओं से कुछ लेना–देना है। यह शोषण घर पर जमीनी स्तर की सेवाओं तक फैला हुआ हैरू इसका एक ज्वलंत उदाहरण आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ व्यवहार है। विदेश में भारतीय मजदूरों के मामले में, एक अघोषित आधार यह प्रतीत होता है कि वे वहां रहने के लिए भाग्यशाली हैं, इसलिए उन्हें वादा किए गए इनाम (यदि उन्हें यह मिलता है) अर्जित करने के लिए अंतहीन परीक्षणों से गुजरना होगा। इस प्रकार विदेशों में विनम्र भारतीय कामगार अपने उद्यम को एक जुआ समझते हैं, जो अनिश्चित रिटर्न के लिए बहुत कष्ट उठाता है। उनकी उचित स्थिति धुंधली हो जाती है, जहां उन्हें जो मिल सकता है वह मिलता है, बाकी सब छोड़ देते हैं, और अपने अधिकारों का दावा नहीं कर पाते हैं, जो शुरुआत में अस्पष्ट या अस्पष्ट हो सकता है। दूसरे शब्दों में, उनकी स्थिति, चाहे कितनी भी वैध क्यों न हो, चिंताजनक रूप से उन अवैध प्रवासियों के करीब आ सकती है, जिन्हें अनिश्चित लाभ के लिए कठोर शत्रुतापूर्ण प्रणालियों का सामना करने के लिए लालच देकर या तस्करी करके विदेश ले जाया जाता है। अवैध प्रवासी अपने रास्ते पर क्यों बढ़ते हैं? स्क्रीन पर लोकप्रिय शब्द का उपयोग करने के लिए, यहां तक कि एक गधा भी डंकी ट्रेल पर निकलने से पहले सवाल पूछेगा। पैसे की इतनी भारी मांग क्यों? कुछ कागजी कार्रवाई के बारे में क्या? अपनाए जाने वाले मार्ग के बारे में क्या? उन्हें अवश्य ही कुछ पता होना चाहिए कि आगे क्या होने वाला है। कौन सी मानसिक स्थिति कठिन तथ्यों पर भारी पड़ सकती है? क्या उन्होंने सबसे खराब स्थिति के बारे में नहीं सुना है – 300 से अधिक यात्रियों के साथ निकारागुआ की उड़ान को पेरिस में रोक दिया गया? वह व्यक्ति जो अपनी पत्नी और नवजात बेटे के साथ अमेरिका–मेक्सिको सीमा की दीवार पर चढ़ते समय गिरकर मर गया? वह परिवार, जिसमें एक बच्चा भी शामिल है, जो सर्दियों की गहराई में यूएस–कनाडा सीमा पर जम कर मर गया या कोई अन्य परिवार जो उसी सीमा को पार करने का प्रयास करते समय डूब गया? ऐसी नाटकीय आपदाएँ दुर्लभ हो सकती हैं, लेकिन जोखिमों और अनिश्चितताओं का दायरा किसी भी तर्कसंगत निर्णय से भयावह है। कई पीड़ित अच्छी तरह से शिक्षित हैं। वे आसानी से श्उत्प्रवास जांच आवश्यक नहींश की पुरानी सीमा को पार कर लेंगे। वे आधे से एक करोड़ तक की रकम लगा सकते हैं – जो कोई भी सोच सकता है, घर पर निवेश या व्यावसायिक उद्यम के लिए पर्याप्त है। उनके कई परिवार व्यवहार्य, सुरक्षित और यथोचित रूप से समृद्ध हैं – स्थिर मध्यम वर्ग किसी भी व्यवस्था के तहत, निश्चित रूप से वर्तमान व्यवस्था के तहत, यथास्थिति बनाए रखने के लिए इच्छुक है। वे अतिवादी राजनीति या कट्टरपंथी भाषण में शामिल नहीं होते। अधिकांश हिंदू हैं, इसलिए धार्मिक उत्पीड़न का कोई सवाल ही नहीं है। उनके पास शरण मांगने का कोई ठोस कारण नहीं है, हालांकि कुछ लोग संकट के समय ऐसा कर सकते हैं। असल में, वे बस सीमा पार करना चाहते हैं। बहुत से भारतीय बेहतर जीवन के लिए कानूनी तरीकों से विदेश में बसने की कोशिश करते हैं। यह एक तर्कसंगत निर्णय है, चाहे प्रत्येक मामले का गुण–दोष कुछ भी हो। वे गलत तरीके से, लेकिन फिर भी तर्कसंगत रूप से, अपने वीजा की अवधि समाप्त होने तक रुकने या कोई अन्य सफेदपोश चाल अपनाने का निर्णय भी ले सकते हैं। कनाडाई सर्दियों या मध्य अमेरिकी जंगलों के खतरों का सामना करना पागलपन से कम नहीं लगता। किसी को यह भी आश्चर्य होता है कि यदि वे पाठ्यक्रम पूरा कर लेते हैं तो वे क्या हासिल करने की आशा करते हैं। गैर–दस्तावेजी आप्रवासन अमेरिकी सपने का एक पारंपरिक सहारा है, लेकिन यह व्यवहार में, या अधिक निकटता से प्रशासित यूरोपीय राज्यों में कैसे काम करता है?

एआई डेवलपर्स को पूर्वाग्रह पर नजर रखनी चाहिए

आदित्य

पिछले कुछ महीनों में, भारत में एक नया मराठी लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम), एक तेलुगु एलएलएम, दो कन्नड़ एलएलएम जारी हुए हैं। इसके अलावा, कार्यों में सामान्य इंडिक भाषा मॉडल भी हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वित्त जैसे क्षेत्रों में जनसंख्या–स्तरीय प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप बनाने के लिए इन भाषा मॉडल का उपयोग करने पर भारी दबाव है। लेकिन, भाषा मॉडल के पक्षपाती आउटपुट के बारे में हम पहले से ही जानते हैं – जिसने सुझाव दिया है कि प्रयोगशाला कोट में महिलाएं सिर्फ क्लीनर हो सकती हैं और नस्ल–आधारित दवा का प्रचार कर सकती हैं – मौजूदा पूर्वाग्रहों को बढ़ाने का जोखिम अधिक है। तकनीकी शमन रणनीतियाँ मूल रूप से पक्षपाती डेटा के मुद्दे को संबोधित करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती हैं। और अगर ऐसा है, तो हमें इस बारे में ईमानदार होने की जरूरत है कि एआई हमारे लिए क्या कर सकता है और क्या करना चाहिए। एआई में पूर्वाग्रह के स्रोत के रूप में डेटा को बड़े पैमाने पर कवर किया गया है, क्योंकि एआई सिस्टम केवल उतने ही अच्छे हैं जितना डेटा पर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। डेटा को दो तरह से पक्षपाती किया जा सकता है। पहला, दुनिया पक्षपाती है और इसलिए डेटा इसे प्रतिबिंबित करेगा, और दूसरा डेटा अधूरा हो सकता है और इसलिए, पूरी तरह से वास्तविकता का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। गुणवत्ता और विषमता के लिए किसी भी सुधार के बिना, पक्षपातपूर्ण डेटा पर प्रशिक्षित और उच्च जोखिम वाले हस्तक्षेपों में तैनात एआई मॉडल के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ब्राजील में सार्वजनिक सुरक्षा और नागरिकता अध्ययन केंद्र ने पाया कि चेहरे की पहचान सॉफ्टवेयर (एफआरएस) के आधार पर गिरफ्तार किए गए 90 प्रतिशत से अधिक व्यक्ति काले थे – देश में प्रणालीगत नस्लवाद से पीड़ित बहुसंख्यक आबादी। यदि अपराध के लिए एफआरएस को भारत में तैनात किया जाता, जिसे राष्ट्रीय आपराधिक रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर प्रशिक्षित किया जाता, तो वे दलितों और मुसलमानों की बढ़ती कैद में योगदान दे सकते थे, जो कैद और विचाराधीन आबादी का 66 प्रतिशत हैं। पूर्वाग्रह अन्य तरीकों से भी डेटा में घुसपैठ कर सकता है। एआई के इर्द–गिर्द होने वाली चर्चा में जिस बात को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, वह है लोगों की व्यापक असेंबली लाइन जो ऐसी तकनीक को संभव बनाती है। प्रशिक्षण डेटा कॉर्पस के क्यूरेटर से लेकर, मॉडल प्रशिक्षण के लिए डेटा तैयार करने वाले एनोटेटर तक, एक विशिष्ट उपयोग–मामले के लिए मॉडल और उसके मापदंडों को अनुकूलित करने वाले डेवलपर्स तक, इसके एप्लिकेशन फॉर्म में प्रौद्योगिकी की तैनाती के लिए जिम्मेदार लोगों तक, एआई मूल्य श्रृंखला उससे कहीं अधिक मानव–संसाधन गहन है जितना हमें विश्वास दिलाया गया है। एआई मूल्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण चरण, डेटा एनोटेशन में एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए इसकी सामग्री की उपयोगी जानकारी के साथ डेटा को लेबल करना शामिल है, ताकि यह डेटा की व्याख्या और प्रसंस्करण कर सके। आमतौर पर केन्या, पाकिस्तान और भारत जैसे बहुसंख्यक दुनिया के कुछ हिस्सों में गंभीर रूप से कम वेतन वाले श्रमिकों को शामिल करते हुए, डेटा एनोटेशन अत्यधिक व्यक्तिपरक हो सकता है। हाल के शोध से पता चलता है कि डेटा एनोटेशन एनोटेटर के लिंग, उनकी जाति और एनोटेट किए जा रहे डेटा से उनकी निकटता (उनकी पहचान के आधार पर) से प्रभावित हो सकता है। 2021 के अकादमिक अध्ययन में अमेजॅन, मैकेनिकल तुर्क और कॉलेज कक्षाओं के 291 नस्लीय–विविध व्याख्याकारों को शामिल करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि, कवर किए गए विषय के आधार पर, नस्ल ने नस्लीय रूप से आरोपित ट्वीट्स को लेबल करने में भूमिका निभाई। पुलिस की बर्बरता के विषय पर, एक ट्वीट में कहा गया, ष्लोरेंजो क्लर्कली, एक 14 वर्षीय काला बच्चा, जो दोस्तों के साथ दिन के उजाले में बीबी बंदूक के साथ खेल रहा था, उसे 0.6 सेकंड की चेतावनी दिए जाने के बाद एक अधिकारी ने

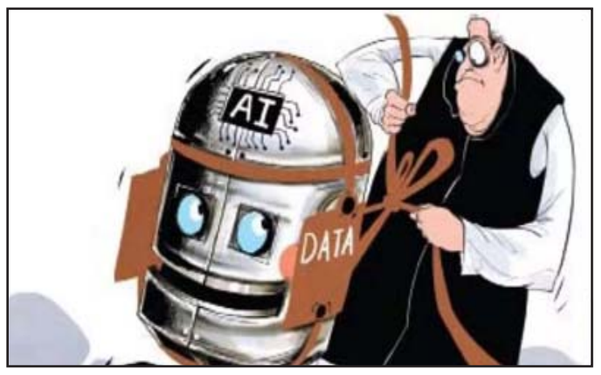

4 बार गोली मार दी श्वेत मूल्यांकन कर्ताओं द्वारा इसे मध्यम रूप से सकारात्मक माना जाता है, लेकिन, औसतन, गैर–श्वेत मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा इसे तटस्थ माना जाता है। एनोटेशन, एल्गोरिथम ऑप्टिमाइजेशन और एप्लिकेशन डिजाइन के स्तर पर इस तरह की व्यक्तिपरकताएं रिसने के लिए बाध्य हैं क्योंकि मनुष्य (और उनके पूर्वाग्रह) एआई का मुख्य हिस्सा हैं। पूर्वाग्रह का समाधान सीधा और अचूक नहीं है। जबकि डी–बायसिंग रणनीतियाँ मौजूद हैं, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मॉडल, या लूप में मनुष्य, उन मापदंडों का पालन करेंगे – और यदि वे ऐसा करते हैं, तो उस तरीके से पालन करें जो समझ में आता है। हाल ही में, ने अपने एआई छवि जनरेटर, जेमिनी को हटा दिया।

हिमाचल प्रदेश में सुक्खू की भूमिका पर सवाल

विनोद

हाल ही में राज्यसभा चुनाव में पार्टी की अपमानजनक हार से पहले ही कांग्रेस की हिमाचल प्रदेश इकाई में गुटबाजी की खबरें आ रही थीं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर न केवल पार्टी में उनके विरोधियों द्वारा बल्कि उन लोगों द्वारा भी लगातार हमला किया जा रहा था जिन्होंने शीर्ष पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया था क्योंकि वे उनकी कार्यशैली से नाखुश थे। अब ऐसा प्रतीत होता है कि असंतुष्ट नेताओं को गंभीरता से नहीं लिया गया और उनकी शिकायतों को अंदरूनी कलह का एक और मामला माना गया, जो कांग्रेस की अधिकांश राज्य इकाइयों में एक नियमित मामला है। यह महसूस करते हुए कि उनकी आवाज अनसुनी की जा रही है, विद्रोहियों ने राज्य की एकमात्र सीट के लिए एक बाहरी व्यक्ति के नामांकन के विरोध में राज्यसभा चुनाव के दौरान हड़ताल करने का फैसला किया। जैसा कि कांग्रेस ने पिछले हफ्ते अपनी सरकार बचाने के लिए कड़ी मेहनत की थी, सवाल पूछे जा रहे थे कि पार्टी के हिमाचल प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला विद्रोह को दबाने के लिए समय पर कदम उठाने में कैसे विफल रहे। दूसरों का मानना घ्छै कि श्री सुक्खू को पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा संरक्षित किया जा रहा था क्योंकि उन्हें प्रियंका गांधी वाड्रा की पसंद के रूप में जाना जाता है। पार्टी के अंदरूनी सूत्र दिवंगत अहमद पटेल और अलग हो चुके गुलाम नबी आजाद जैसे अनुभवी संकट प्रबंधकों की कमी पर भी दुख जता रहे थे, जिन पर भारतीय जनता पार्टी की साजिशों को विफल करने के लिए भरोसा किया जा सकता था। पश्चिम बंगाल में झींगा इस मौसम का स्वाद है। यह पता चला है कि स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं द्वारा संदेशखाली में आदिवासियों से जबरन ली गई जमीन का मुख्य उद्देश्य कृषि भूमि को झींगा फार्म में बदलना था। जमीनी रिपोर्टों के मुताबिक, स्थानीय पंचायत सहित हर कोई इस जमीन पर कब्जे में था क्योंकि झींगा की खेती को अधिक लाभदायक माना जाता था। हालाँकि संदेशखाली में जमीन पर कब्जा जनता के गुस्से का केंद्र रहा है, लेकिन इस मुद्दे को पृष्ठभूमि में धकेल दिया गया है क्योंकि अनुसूचित जाति और आदिवासी महिलाओं के बलात्कार के अधिक गंभीर आरोपों ने सुर्खियाँ बटोर ली हैं और भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन आरोपों के बाद खुद को अस्थिर स्थिति में पाती हैं, खासकर जब से उनका राजनीतिक नारा ष्मां, माटी, मानुषष् (मां, भूमि और लोग) रहा है। इसलिए, राज्य सरकार भूमि हड़पने के पुष्ट मामलों से निपटने के लिए तेजी से आगे बढ़ी है। इसने मूल पट्टा धारकों और मालिकों की पहचान की है, उन्हें जमीन वापस कर दी है और भूमि रूपांतरण वापस कर दिया है। वहीं, यौन गुलामी के आरोपों की जांच की जा रही है और मुख्य आरोपी शेख शाहजहां को करीब दो महीने तक फरार रहने के बाद आखिरकार पिछले हफ्ते गिरफ्तार कर लिया गया और पार्टी से निलंबित कर दिया गया। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती के एकांत में चले जाने से उनकी पार्टी के कार्यकर्ता इन दिनों काफी निराश हैं। जबकि कुछ ने पहले से ही अन्य राजनीतिक दलों के लिए ट्रैक बना लिया है, अन्य अप्रत्याशित क्षेत्रों से प्रेरणा ले रहे हैं। समझा जाता है कि बसपा के कुछ नेता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से इसलिए प्रभावित हैं क्योंकि उनकी जातीय पहचान और वह हिंदी बोलते हैं। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने श्री खड़गे के कार्यालय को सूचित किया है कि कांग्रेस प्रमुख लोकसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश के आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों के साथ–साथ पर्याप्त दलित आबादी वाले क्षेत्रों में कई बैठकों को संबोधित करेंगे। आगे सुझाव दिया गया है कि यदि कोई बसपा नेता कांग्रेस में शामिल होता है, तो उसे श्री खड़गे की उपस्थिति में पार्टी में शामिल किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा विरोधी दलितों का सुश्री मायावती से मोहभंग हो गया है क्योंकि उनका मानना है कि भगवा पार्टी के साथ उनकी रणनीतिक समझ है। खोया हुआ महसूस करते हुए, वे दिशा–निर्देश के लिए वैकल्पिक दलित नेताओं की तलाश में हैं। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी दिवंगत अहमद पटेल के बच्चों के प्रतिस्पर्धी दावों की बदौलत भरूच लोकसभा सीट छोड़ने के लिए कांग्रेस को मनाने में सफल रही। अतीत में भरूच का प्रतिनिधित्व कर चुके पटेल पर उनके बेटे फैसल और बेटी मुमताज दोनों दावा कर रहे थे। वास्तव में, फैसल के समर्थकों ने मीडियाकर्मियों को यह रेखांकित करने के लिए बुलाया कि वह एक बेहतर उम्मीदवार कैसे हैं क्योंकि वह निर्वाचन क्षेत्र में समय बिता रहे थे, लोगों से जुड़ रहे थे, जबकि उनकी बहन कभी–कभार आती थीं और केवल सोशल मीडिया पर दिखाई देती थीं। इसके अलावा, यह कहा गया था, फैसल एक पटेल है जबकि मुमताज का विवाहित नाम सिद्दीकी है। जब कांग्रेस असमंजस में थी, तो उसके नेतृत्व ने आप के इस तर्क के साथ चलने का फैसला किया कि इस सीट से एक आदिवासी को मैदान में उतारा जाए। हाल ही में मीडिया में कई चीन विरोधी रिपोर्टें प्रकाशित होने के बाद सरकार मुश्किल में थी। उदाहरण के लिए, रक्षा सचिव द्वारा चीन को धमकाने वाला बताए जाने की कहानियां थीं और एक और कहानी थी कि कैसे भारत चीन का मुकाबला करने के लिए एक नया दल खड़ा कर रहा है। हालाँकि भारत ने चीनी आक्रामकता पर कड़ा रुख अपनाया है, जिससे गलवान के बाद नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं, लेकिन सरकार तनाव बढ़ाना नहीं चाहती है। साथ ही, वह नहीं चाहता कि वास्तविक सीमा रेखा पर चीन का मुकाबला करने के लिए भारत जो कदम उठा रहा है, उसके बारे में बीजिंग को पता चले ट्रोल. दोनों पक्षों के बीच लंबी कूटनीतिक बातचीत के बावजूद पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच पिछले तीन वर्षों से टकराव जारी है।

आईवीएफ क्लीनिकों को मुश्किल में डाल

ललित

दिसंबर 2020 में अलबामा में, एक अस्पताल के मरीज ने निकटवर्ती आईवीएफ भंडारण सुविधा तक अनधिकृत पहुंच प्राप्त कर ली, जो पर्याप्त रूप से सुरक्षित नहीं थी। ऐसा कहा जाता है कि मरीज ने कई जमे हुए भ्रूणों को हटा दिया था, जिसे उन्होंने अपने हाथ में ठंड लगने के कारण फर्श पर गिरा दिया था। भ्रूण नष्ट कर दिये गये। अलबामा में, एक नाबालिग की गलत मौत अधिनियम मृत बच्चे के माता–पिता को अपने बच्चे की मौत के लिए दंडात्मक क्षति की वसूली करने की अनुमति देता है, और घटना से प्रभावित तीन जोड़ों ने बाद में इस कानून के तहत क्लिनिक के खिलाफ मुकदमा दायर किया। जब हाल ही में अलबामा के सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई, तो अधिकांश न्यायाधीशों ने कहा कि यह कानून जमे हुए भ्रूण पर लागू होता है क्योंकिरू एक अजन्मा बच्चा आनुवंशिक रूप से अद्वितीय इंसान होता है जिसका जीवन निषेचन से शुरू होता है और मृत्यु पर समाप्त होता है। इसका अनिवार्य रूप से मतलब है कि जमे हुए भ्रूण को किसी भी जीवित बच्चे की तरह ही अलबामा कानून के तहत संरक्षित किया जाता है। हालांकि यह एक नागरिक मामला था, यह समझ से बाहर नहीं है कि, इस व्याख्या के आधार पर, जो कोई भी अलबामा में जमे हुए भ्रूण को नष्ट कर देता है – गलती से या जानबूझकर – उसे हत्या या यहां तक घ्कि हत्या के आरोप जैसे आपराधिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। ।कअमतजपेमउमदज अलबामा के सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला आईवीएफ की प्रक्रिया कैसे काम करती है, इसके बारे में गहन अज्ञानता को दर्शाता है। समग्र आईवीएफ सफलता के लिए कई भ्रूण बनाना आवश्यक है। इन विट्रो फर्टिलाइजेशन या आईवीएफ की प्रक्रिया एक ष्उत्तेजितष् चक्र से शुरू होती है, जहां एक महिला में कई अंडे पैदा करने के लिए अंडाशय को उत्तेजित करने के लिए हार्मोन इंजेक्ट किए जाते हैं। फिर इन अंडों को एकत्र किया जाता है और शुक्राणु के साथ जोड़ा जाता है, जिससे भ्रूण बनता है जिसे बढ़ने के लिए इनक्यूबेटर में रखा जाता है। पांच दिन बाद, भ्रूण का मूल्यांकन किया जाता है। कुछ ष्अच्छी गुणवत्ताष् वाले भ्रूण विकसित होते हैं जो महिला के गर्भाशय में स्थानांतरण के लिए उपयुक्त होते हैं। उम्मीद यह है कि स्थानांतरण के बाद, भ्रूण प्रत्यारोपित हो जाएगा और परिणामस्वरूप एक व्यवहार्य गर्भावस्था होगी, जिससे अंततः एक स्वस्थ बच्चे का जन्म होगा। उत्तेजित चक्र में उपयोग नहीं किए जाने वाले किसी भी अच्छी गुणवत्ता वाले भ्रूण को आमतौर पर भविष्य के प्रयासों के लिए फ्रीज कर दिया जाता है। दुर्भाग्य से, आईवीएफ कुछ हद तक अप्रभावी है, जिसमें हर चरण में घर्षण एक प्रमुख विशेषता है। सभी एकत्रित अंडे निषेचन के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं, सभी निषेचित नहीं होते हैं, सभी भ्रूण सामान्य रूप से निषेचित नहीं होते हैं, और सभी सामान्य रूप से निषेचित भ्रूण अच्छी गुणवत्ता के नहीं होते हैं। खराब गुणवत्ता वाले अंडे, असामान्य रूप से निषेचित भ्रूण और खराब गुणवत्ता वाले भ्रूण को नियमित रूप से त्याग दिया जाता है। इस प्रक्रिया के व्यावहारिक निहितार्थ और आईवीएफ से गुजरने वाले व्यक्तियों और जोड़ों के लिए हृदयविदारक वास्तविकता यह है कि एक अच्छी गुणवत्ता वाले भ्रूण का उत्पादन करने के लिए औसतन तीन से पांच अंडे लगते हैं। हालाँकि, यह संख्या उम्र पर निर्भर है और वृद्ध महिलाओं के लिए काफी अधिक है। एक भ्रूण स्थानांतरण से गर्भधारण की संभावना भी महिला की उम्र से काफी प्रभावित होती है, युवा महिलाओं में यह 50: तक होती है लेकिन जैसे–जैसे महिला बड़ी होती जाती है, तेजी से घटती जाती है। 46 साल की उम्र में यह 1–2: तक कम हो सकता है। इसलिए यदि एक स्वस्थ गर्भावस्था प्राप्त करने के लिए कई अनुक्रमिक भ्रूण स्थानांतरण की आवश्यकता होती है।

पीड़िता को चुपचाप सहने के बजाय आगे आना चाहिए

आर.के

अब सामाजिक, व्यापारिक, संस्थागत जीवन का शायद ही कोई इस तरह का क्षेत्र बचा हो, जिधर महिलाएं नौकरी के लिए न जाती हों। खेत–खलिहानों, बैंकों,सरकारी और निजी दफ्तरों से लेकर घरों में चूल्हा–चौका करके अपने परिवार की आर्थिक मदद करने में आधी दुनिया किसी भी तरह से मर्दों से पीछे नहीं हैं। कहा जा सकता है कि अब देश में करोड़ों महिलाएं कार्यशील हैं। देश में बढ़ती साक्षरता के चलते नौकरीपेशा औरतों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। जाहिर है, उन्हें घरों से निकलकर अपने दफ्तरों और फैक्ट्रियों में तो जाना होता ही है। आपको हजारों औरतें विभिन्न संस्थानों में नाइट ड्यूटी करते हुए भी मिलेंगी। पर अपने दफ्तर या फिर स्कूलों–कालेजों में जाने वाली लड़कियों और महिलाओं को कुछ विक्षिप्त मानसिकता के लोग परेशान करते रहते हैं। वे उनके (महिलाओं) के पीछे पड़ ही जाते हैं। उन्हें वे तरह–तरह से परेशान करते हैं। इस हरकत को अंग्रेजी में कहते हैं 'स्टॉकिंग'। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में एक इस तरह के शख्स को पकड़ा जो एक कार्यशील महिला का लगातार पीछा कर रहा था। यह तो सिर्फ एक उदाहरण मात्र है। इस तरह के तमाम केस पुलिस के सामने आते ही रहते हैं। किसी महिला का हाथ धोकर पीछा करना यौन उत्पीड़न का एक गंभीर रूप है और भविष्य में होने वाली किसी गंभीर घटना की पहली चेतावनी भी है। बेशक, पीड़िता को चुपचाप सहने के बजाय आगे आना चाहिए और अपने साथ हो रहे अपराध की रिपोर्ट पुलिस को करनी चाहिए ताकि इसे शुरू में ही खघ्त्म किया जा सके। एक बात समझ लें कि किसी सिरफिरे का किसी महिला का पीछा करना प्रारंभिक चरण है उसका अंतिम इरादा महिला के साथ छेड़छाड़ या बलात्कार ही हो सकता है। राजधानी दिल्ली के न्यू सीमापुरी इलाके में हजारों मेहनतकश लोग छोटे–छोटे घरों में रहते हैं। यह अधिकतर उत्तर प्रदेश,बिहार, झारखंड, बंगाल, उड़ीसा से और अनेकों बांगलादेशी हैं। अब बांग्लादेशियों के पास वैसे तो अवैध आधार कार्ड वगैरह सब कुछ है। यहां पर रहने वाली बहुत सारी महिलाएं अपने इलाके में चलने वाली 'महिला पंचायत' में अपने साथ घरों में होने वाले उत्पीड़न से लेकर घरों के बाहर उनका पीछा करने वालों की शिकायत करने के लिए आती हैं। आगे बढ़ने से पहले बता दें कि इस महिला पंचायत में पीड़ित महिलाओं को उनके कानूनी हकों के बारे में पंचायत में काम करने वाली काउंसलर विस्तार से जानकारी देती हैं और उनकी समस्या का समाधान खोजती हैं। इस महिला पंचायत, जिसका संबंध दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से है, के प्रबंधक फादर सोलोमन जॉर्ज बताते हैं कि कार्यशील औरतों के पीछे पड़ने के मामले बहुत तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। किसी महिला का पीछा करने वाले शख्स पीड़ित महिला को फोन पर अशलील मैसेज भी भेजते रहते हैं। वह दिन भर और देर रात तक उसे फोन करके परेशान करते हैं। महिला के घर से निकलने पर वह उसे छूने या बात करने की चेष्टा करते हैं। इस कारण से बहुत सारी औरतें नौकरी छोड़ने तक के बारे में सोचने लगती हैं। अनेकों किशोरियां डर के मारे पढाई भी छोड़ देती हैं। दिल्ली में सेंट स्टीफंस कॉलेज के बाद अब हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल स्थापित करने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े हुए फादर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि जो लोग स्टॉकिंग में शामिल होते हैं, वे बहुत मोटी चमड़ी वाले दुष्ट अपराधी होते हैं। सख्ती से मना करने के बाद भी वे बेशर्मी से महिला का पीछा करते रहते हैं। महिला के उन्हें अस्वीकार करने के बाद भी वे बाज नहीं आते। वे अपनी हरकतों को जारी रखते हैं। बेशक, स्टॉकिंग एक गंभीर अपराध है। इस अपराध से दो–चार होने वाली लड़कियोंध् महिलाओं को तुरंत पुलिस में शिकायत करनी चाहिए। यदि वे आगे आकर शिकायत नहीं करेंगी, तो उनका पीछा करने वालों को गलतफहमी होने लगेगी कि वे सचमुच में बहुत ताकतवर हैं। उन्हें लगेगा कि वह जो चाहे कर सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि जब किसी महिला को अपने पीछे पड़े हुए व्यक्ति से दो–चार होना पड़ता है तो वह बुरी तरह से मनोवैज्ञानिक रूप से टूटने लगती है। यह अपने आप में घोर उत्पीड़न है और इससे कम कुछ नहीं। लड़कियाँ पीछा करने वाले से लगातार भयभीत रहती हैं। याद रख लें कि किसी भी समाज के चरित्र को जानने के लिए आपको यह देख लेना काफी होगा कि वहां पर कितनी महिलाएं कार्यशील हैं। जिस समाज में जितनी अधिक औरतें कार्यशील होंगी वह समाज उतना ही प्रगतिशील माना जाएगा। इसलिए कार्यशील महिलाओं को सुरक्षा देना समाज और सरकार का पहला दायित्व है। अब नौकरियां सुबह दस से शाम पांच बजे तक की बहुत कम रह गई हैं। अब तो दिन–रात दफ्तर चलते हैं। भारत में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नौकरियों की बहार आने के बाद हम देख रहे हैं कि बड़ी संख्या में नौकरियां रात के समय की ही होती हैं। इन परिस्थितियों में कार्यशील महिलाओं को सुरक्षा तो देनी ही होगी। यह देखना होगा कि उनका दफ्तर के भीतर किसी तरह से यौन उत्पीड़न न हो। उन्हें कोई फोन करके परेशान न करता हो या फिर उनका कोई पीछा न करता हो। इसमें कोई शक नहीं है कि किसी भी देश और समाज की पहचान इस बात से ही होती है कि वहां पर महिलाएं कितनी आर्थिक रूप से स्वावलंबी हैं। वे स्वावलंबी तो तब ही होंगी जब उन्हें सही ढंग से शिक्षित किया जाएगा और उन्हें रोजगार में पर्याप्त अवसर मिलेंगे। इसके अलावा, उन्हें कार्यस्थल पर बेहतर माहौल और अपने पुरुष साथियों के बराबर वेतन भी मिलेगा। बेशक, जिन दफ्तरों में महिलाएं मुलाजिम होती हैं वहां पर माहौल कुल मिलाकर सकारात्मक ही रहता है। इसलिए किसी दफ्तर का समावेशी होना बहुत जरूरी है। हां, उस वातावरण को कुछ गटर मानसिकता वाले लोग खराब अवश्य करने की कोशिश करते हैं। चूंकि अब विश्व महिला दिवस (8 मार्च) को आने में कुछ ही दिन शेष बचे हैं, इसलिए सारी बहस कार्यशील औरतों तक ही सिमट कर नहीं रह जानी चाहिए। अब भी अनेक औरतों को घरों में अपने ही पतियों के जुल्मों–सितम का शिकार होना पड़ता है। महिला पंचायत में आने वाली औरतों में उन बेबस महिलाओं की संख्या भी खासी रहती है, जो घरेलू हिंसा का लगातार शिकार होती हैं।

रोड नहीं तो वोट नहीं

ग्रामीणों ने नेताओं को बहिष्कार करने का लिया फैसला

दैनिक देश उपासना

क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। विकास खण्ड करंजाकला क्षेत्र के बरैयाकाजी गांव के ग्रामीणों ने चुनाव आते ही वोट का बहिष्कार प्रदर्शन किया। विकास की रौशनी से कोसों दूर है बरैयाकाजी गांव में सड़क पर बड़ा बड़ा गढ्ढा, जल जमाव, कीचड़ युक्त सड़क दुर्व्यवस्था होने से नाराज ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं का विरोध ा प्रदर्शन कर नेताओं का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। लोकसभा का चुनाव में प्रचार प्रसार तमाम प्रकार की वादा नेताओं ने जोरों से प्रारम्भ कर दिया। चुनाव नजदीक आते ही राजनैतिक पार्टियों के नेता अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र में काफिला सहित नाना प्रकार के वादा युक्त भाषण देना चालू हो गया है।

बरैयाकाजी गांव में आवागमन लोगों का बाधित हो गया है कीचड और जल जमा युक्त सड़क पर ग्रामीणों का घर से निकलना भारी पर गया। अगर घर से बाजार, विद्यालय, बारात आने जाने आदि दशाओं पर दस बार सोचना पड़ता है। अगर अतिआवस्यक कार्य है तो पहले जूता चप्पल हाथ में लेकर के आधा किलो मीटर दूर तक पैदल कीचड़ से गुजरना पड़ता है। इसके बाद किसी के नल पर सफाई करके आगे बढ़ते हैं। यह दशा लगभग 20 वर्ष से सभी स्थानी ग्रामीणों का है। ग्रामवासियों का कहना है कि लगभग 20 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आज यह गांव की सड़क कीचड़ युक्त बना हुआ है। पूरा मामला मल्हनी विधानसभा क्षेत्र के बरैयाकाजी गांव में त्रिवेणी गुप्ता के घर से जिया मौर्या के घर तक लगभग 500 मीटर की दूरी तक की पक्की सड़क का है। जिसमें कई वर्षों से लगातार कीचड़ युक्त सड़क चर्चा में बना हुआ है। इस समस्या को लेकर के स्थानी लोगों ने जब– जब चुनाव प्रचार में नेता गांव में आए हैं, तब यह समस्या उनको दिखा करके अपनी पीड़ा को अवगत कराया । लेकिन आज तक समस्या का समाधान नहीं हो सका। आज भी लोग कीचड़ में रहने को मजबूर है। इसी गुस्से में बरैयाकाजी गांव के लोगों ने कहा कि इस लोक सभा चुनाव में पहले रोड बनेगा तभी वोट मिलेगा। इस संबंध में जब ग्राम प्रधान राम सेवक गौतम से पूछा गया तो। उन्होंने कहा कि यह सड़क पी डब्लू डी के अंतर्गत आता है जो हमारे कार्यक्षेत्र में नहीं है। वर्षों से हमारे गांव के लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। इस समस्या को हमने कई बार सांसद, विधायक, से भी कहा लेकिन आज तक कोई भी सुनवाई नहीं हो सका। केवल सब लोग वादा पे वादा देते गए। लेकिन वादा कोई नहीं निभाया। राम सेवक ने कहा कि हम इस समस्या को लेकर के पुर्व मंत्री स्व. पारस नाथ यादव से भी कहा था। तब भी कोई कार्य नहीं हुआ। फिर विधायक उनके लड़के लकी यादव से कहा। कोई फर्क नहीं पड़ा। जब इसका समाधान नहीं हो सका तब पूर्व सांसद धनंजय सिंह और सांसद श्याम सिंह से हम लोगों ने गुहार लगाई। मौके पर आकर के सभी लोगों ने समस्या को देख लेते हैं लेकिन आश्वासन देकर वापस लौट जाते हैं। अब फिर चुनाव नजदीक आ गया है सभी दल के सहयोगी गांव में अपना – अपना प्रचार प्रसार कर रहे हैं। गांव वालों का कहना है कि रोड बनेगा तो वोट मिलेगा, इन बातों हम भी सहमत हैं। जहां हमारे गांव वालों की खुशी है उसी में मेरा भी है। मै अपने गांव वालों की पीड़ा को समझता हूं। यह सड़क लगभग 500 मीटर की ऊंचाई कर दी जाए और ह्यूम पाईप लगा कर जल निकासी हो जाए जिसे हमारा गांव खुशहाल हो जायेगा। इस समस्या को लेकर के फूलचंद यादव, बैजनाथ मौर्य, ननकू यादव, लालचंद यादव, दयाराम यादव, रामसेवक गुप्ता, मनोज गुप्ता, श्रीनाथ मौर्य, त्रिभुवन विश्वकर्मा, सुभाष गुप्ता, मनभावती देवी, सदरून निशा, उर्मिला गुप्ता, मधुबाला, लीलावती, रीमा फरजाना, रामसूरत गुप्ता उर्मिला आदि लोगों ने नेताओं का विरोध जताया और कहां की हम उन्हीं को वोट देंगे जो मेरा रास्ता सुगम बनाएगा।

जौनपुर से चुनाव लड़ने की ताल ठोंक रहे पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर कसा कानून का शिकंजा, अपहरण और रंगदारी मामले में दोषी करार, एमपी एमएलए कोर्ट कल सुनाएगी

जौनपुर ब्यूरो

जनपद में नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर मुजफ्फरनगर निवासी अभिनव सिंघल ने 10 मई 2020 को थाना लाइन बाजार में अपहरण, रंगदारी व अन्य धाराओं में पूर्व सांसद धनंजय सिंह और उनके साथी संतोष विक्रम पर मुकदमा दर्ज कराया था, आरोप था कि संतोष विक्रम दो साथियों के साथ अभिनव का अपहरण कर पूर्व सांसद के आवास पर ले गए, वहां धनंजय सिंह पिस्टल लेकर आए,

गालियां देते हुए सामग्री की आपूर्ति करने के लिए दबाव बनाया. इंकार करने पर धमकी देते हुए रंगदारी मांगी. इस मामले में पूर्व सांसद की गिरफ्तारी हुई थी फिर जमानत पर बाहर आए थे. वादी बाद में मुकरा भी था।

जमीनी विवाद में एक की हत्या, एक घायल जिला अस्पताल में भर्ती

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली थाना क्षेत्र के उंचनीकलां गाँव में सोमवार रात जमीनी विवाद में पूर्व प्रधान व साथी किसान पर कुछ दबंगो ने धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। जिसमें एक की मौके पर ही मौत होगी जबकि यह गंभीर रूप से घायल हो गया ।घटना की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने दोनो को नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया जहां डॉक्टरों ने साथी किसान को मृत घोषित कर दिया।पूर्व प्रधान को गम्भीर हालत में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी है।

थाना क्षेत्र के गांव उंचनीकलां निवासी पूर्व प्रधान प्रताप सिंह पुत्र अजय सिंह का अपने गांव के ही लोगो से ग्राम समाज की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।इसी को लेकर कुछ दिन पूर्व दोनो पक्षो में उसी जमीन को लेकर मारपीट भी हुई थी। जिसमे मुकदमा भी दर्ज हुआ था।

सोमवार की रात पूर्व प्रधान प्रताप सिंह 50 वर्ष पुत्र अजय सिंह अपने पड़ोसी किसान संजय सिंह 55 वर्ष पुत्र नरेंद्र सिंह के साथ बाइक से कही जा रहे थे।इसी दौरान कुछ दबंगो ने दोनों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।जिसमें किसान संजय की मौत हो गयी।वहीं गंभीर हालत में प्रताप सिंह का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

घटना की सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक अजयपाल शर्मा व एसपी ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह मृतक के घर पहुंचे तथा उन्हें समझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।इस मामले में जानकारी देते हुए मंगलवार को पुलिस अधीक्षक डॉ अजयपाल शर्मा ने बताया मरियाहू थाना क्षेत्र के उच्च न्यायालय गांव में बीती रात कुछ दबंगों द्वारा पूर्व प्रधान पर जानलेवा हमला किया गया है इसमें उपचार के दौरान एक की मौत हो गई है परिजनों द्वारा प्राप्त तहरीर के आधार पर मुख्य आरोपी सहित कुछ लोगो को हिरासत में लिया गया है। अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए टीम में गठित कर दी गई शव को पंचायत नामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है आगे की विधिक कार्यवाही जारी है।

तिलकधारी महिला महाविद्यालय जौनपुर में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्ती करण योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश द्वारा छात्राओं को स्मार्टफोन मुफ्त बांटा गया

–स्मार्टफोन पाकर खिल उठे छात्राओं के चेहरे।

जौनपुर। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण उत्तर प्रदेश योजनान्तर्गत तिलकधारी महिला महाविद्यालय जौनपुर में बीए तृतीय वर्ष 2021–2022 वर्ष 2022–23 एवं वर्ष 2023 – 24 (अंतिम सेमेस्टर) में पढ़ने वाली सभी छात्राओं को उत्तर प्रदेश शासन की ओर से मुफ्त स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम अयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ,प्रबन्धक तिलकधारी महिला महाविद्यालय एवं तिलकधारी महाविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. डी. आर. सिंह उप प्रबन्धक तिलक धारी महिला महाविद्यालय रहे। उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य डॉक्टर वंदना सिंह द्वारा आये हुए सभी अतिथियो का स्वागत किया गया, स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का योगदान रहा तथा रमेश पाल कंप्यूटर ऑपरेटर की सराहनीय भूमिका रही।

उक्त कार्यक्रम में महिला महाविद्यालय के कुछ छात्राओं के साथ उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ.राजश्री द्वारा किया गया, प्राचार्य डॉक्टर वंदना सिंह द्वारा बताया गया कि जो भी छात्राएं उक्त वर्ष की सूची में है ,जिनका स्मार्टफोन फोन वितरण किए जाने हेतु प्राप्त हुआ है ,उक्त सभी को मिलेगा,जो आज नहीं आ सकीं हैं, शीघ्र ही महाविद्यालय में संपर्क कर ले।

पांच दिवसीय नोडल टीचर प्रशिक्षण का दूसरा चरण प्रारम्भ

जौनपुर ब्यूरो समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत समग्र शिक्षा,राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ के तत्वावधान में ब्लाक संसाधन केंद्र मड़ियाहूं पर पांच दिवसीय नोडल टीचर प्रशिक्षण का दूसरा चरण खण्ड शिक्षा अधिकारी मडियाहू श्री अजीत कुमार सिंह द्वारा समस्त शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों को पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण में पूर्ण सहयोग के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश के साथ प्रारम्भ हुआ। जिसमें दिव्यांग बच्चों की पहचान,दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम,2016 में निहित प्राविधानों तथा उन्हें प्राप्त अधिकारों के विषय मे सन्दर्भदाता ललबहादुर यादव सी0एस0 शुदनीपुर द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया। कुल 21 प्रकार की दिव्यांगताओ की पहचान डॉ0 रमेश चंद्र मौर्य द्वारा बताया गया। नेत्र हींन दिव्यांग जनो की शिक्षा हेतु ब्रेल लिपि का ज्ञान ,लिखना और पढ़ना तथा आवश्यक संसाधनों की जानकारी विशेष शिक्षक ललन पांडेय द्वारा तथा मूक बधिर बच्चों की शिक्षा हेतु सांकेतिक भाषा हिंदी,अंग्रेजी लिपि का ज्ञान विशेष शिक्षिका श्रीमती सुनीता कुशवाहा द्वारा बड़े ही रोचक ढंगसे बताया गया। सचिन मिश्रा द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा योजना पर चर्चा की गई।प्रशिक्षण के अंत मे पाँचवे दिन खण्ड शिक्षा अधिकारी मड़ियाहूं अजीत कुमार सिंह द्वारा नोडल शिक्षकों को संबोधित करते हुये प्राप्त प्रशिक्षण का अपने विद्यालय में उपयोग करते हुये समस्त दिव्यांग बच्चों की पहचान कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करने के निर्देश के साथ प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

मै शीर्ष नेतृत्व को आभार व्यक्त करता हू कि उन्होंने हम जैसे कार्यकर्ता को जौनपुर का सेवा करने का अवसर प्रदान किया – कृपाशंकर सिंह

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा चुनाव–2024 की दुंदुभी के बजने से पहले ही सत्ताधारी दल भाजपा ने अपने

उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी और पहली सूची में लोकसभा जौनपुर संसदीय क्षेत्र से पूर्व गृह राज्य मंत्री महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह को स्थान मिल गया जिससे उनके समर्थकों में खुशी की लहर ब्याप्त हो गई। आज कृपाशंकर सिंह संकटमोचन मे दर्शन कर वाराणसी से सड़क मार्ग से चलकर जौनपुर के लिए निक्कल पड़े जहा रास्ते मे कार्यकताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। जौनपुर पहुच कर उन्होंने जगत जननी माँ शीतला जी का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किये उसके उपरान्त उन्होंने भंडारी स्टेशन से कोतवाली चहारसु चौराहा जेसीज चौराहा से होते हुये केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर पहुँचे जहा पर उनका कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह द्वारा अंग वस्त्र और स्मृति देकर स्वागत किया गया। तदुपरांत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों को संबोधित करते हुए प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि मैं शीर्ष नेतृत्व को आभार व्यक्त करता हू कि उन्होंने हम जैसे कार्यकर्ता को जौनपुर का सेवा करने का अवसर प्रदान किया। शीर्ष नेतृत्व को आभार व्यक्त करता हू कि उन्होंने हम जैसे कार्यकर्ता को जौनपुर का सेवा करने का अवसर प्रदान किया। मै सभी पार्टी कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ जनों का स्वागत और आभार व्यक्त करता हूँ। पार्टी के देव तुल्य कार्यकर्ताओं के बल पर और देव तुल्य जनता के विश्वास पर एक बार फिर नरेन्द्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनायेंगे। उसके लिये घर घर से प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष, पन्ना प्रमुख, पार्टी की रीतिनीति सरकार के किये गये विकास कार्यों के पत्रकों को देकर भाजपा को विजयी बनाने के लिये कार्य करेंगे, आगे उन्होंने कहा कि अबकी बार फिर तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री और अपने इस सेवक को सांसद बनाये। राजमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सन 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए जो रोडमैप बनाया है उसमे हम सभी को भागीदार बनना है और मोदी जी के विजन को समर्थन देते हुए लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करना है। हमारी देवतुल्य जनता अपना मन बना चुकी है देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व पर जनता का अटूट विश्वास है एवं प्रधानमंत्री जी ने भी जनता को विकास की गारंटी दी है जो की जनता के बीच विश्वास के भाव को दर्शाती है हमें इन चुनावों के माध्यम से अबकी बार ४०० पर के लक्ष्य को भी पूरा करने के लिए पूरे दम खम के साथ और जनसहयोग के माध्यम से प्रचंड विजय को हासिल करना है। उत्तर प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो कार्यकर्ता का सम्मान करती है और सदैव आगे बढ़ाने का कार्य करती है और देश के सामान्य देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार हर क्षेत्र में विकास के नए नए आयाम को छू रहा है। लोकसभा चुनावों में हमें अपने अपने बूथों पर शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रयास करना होगा। पिंडरा के विधायक अवधेश सिंह ने कहा कि कृपाशंकर सिंह मोदी जी के दूत बनकर आये है इसलिए आप लोग इनको जिताकर भेजे आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की जनकल्याणकारी एवं जनहितैषी योजनाओं के कारण जनसामान्य के जीवन में अभूतपूर्ण परिवर्तन आया है चाहे वह आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीबों का इलाज हो, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्के मकान हो, जन धन के माध्यम से सभी को बैंको से जोड़ना एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोन उपलब्ध ा कराना हो इनका साक्षात उदाहरण जमीनी स्तर पर देखा जा सकता है।

जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने केन्द्रीय नेतृत्व को धन्यवाद दिया और कहा कि प्रथम चरण में अधिसूचना के पहले जौनपुर का टिकट घोषित करने से हम सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव की रणनीतिक सफलता हेतु पर्याप्त समय मिल गया है उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनपद का पूरा कार्यकर्ता सांसद जी के कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार है। अभी हमारा घोषणा पत्र नही बना है, पर मोदी जी की इच्छा है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिये जन सहभागिता जरूरी है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने अन्त मे आये हुए कार्यकर्ताओ का स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा कि भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करे। उसके लिये हमे बूथ तंत्र पर विजय करना होगा। उसके लिए बूथ पर मीटिंग कर प्रचार प्रसार करें।

हम सब कार्यकर्ता एक से डेढ़ महीने तक इस चुनावी समर में लग जाएं। इस चुनावी बेला में प्रत्येक कार्यकर्ता अपने बूथ जीतने के लिये बूथ समिति पन्ना प्रमुख की बैठक करें। भाजपा एक कैडरबेस पार्टी है और सभी पार्टी के अनुशासित सिपाही हैं। सभी कार्यकर्ताओं को जो यह लोकसभा चुनाव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उम्मीद है कि वह इस जिम्मेदारी का बडी निष्ठा व ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

सभी पार्टियां किनारे हुई, फिर बनेगी केंद्र में भाजपा सरकार – रजनी तिवारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मुल्क की तरक्की के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार ने कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी हर वर्ग का कल्याण किया गया जो आगे भी विधिवत जारी रहेगा। यह बात यहां ब्लॉक सभागार में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने मंडल अध्यक्षों एवं बूथ समितियों के सदस्यों को संबोधित कर कही। करीब आ चुके आगामी लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां लगातार बढ़ती जा रही है। राज्य मंत्री के साथ इलाकाई सांसद जय प्रकाश रावत भी यहां पहुंचे। राज्य मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओ के बीच अपने विचार प्रकट कर कहा लोकसभा चुनाव के बीच ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की हर गली से पुनः केंद्र में भाजपा सरकार बनने की लहर देखी जा रही है जो इस बात को साबित करती है कि पीएम नरेंद्र मोदी की हर योजना फलीभूत हुई। उन्होंने उज्जवला गैस सिलेंडर, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना और शौचालय समेत विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र कर कहा उन्हें जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। निश्चित तौर पर इसी तरह आगे भी गरीब को रोजगार और आवास मुहैया कराए जाते रहेंगे। उन्होंने सांसद जयप्रकाश रावत को पुनः प्रत्याशी बनाए जाने की खुशी जाहिर करते हुए कहा सभी विपक्षी पार्टियां किनारे हो चुकी हैं। उन्हें सातवीं बार सांसद बनाना है। कहा भाजपा का घोषणा पत्र नहीं बल्कि संकल्प पत्र होता है लोगों के सुझाव लेने के लिए हर विधानसभा में पेटिकाएं रखी जाएगी ताकि देश को विकसित करने के लिए आम जनमानस के उन सुझावों पर विचार किया जाए। भाजपा प्रत्याशी सांसद जयप्रकाश रावत ने अपने पूर्व कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों का जिक्र कर कहा सरल ऐप के जरिए आप सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। हमने हर क्षेत्र में विकास कार्य कराए।जितनी मांगे थी सभी पूरी की गई और जनहित से जुड़ी क्षेत्र की हर समस्या को वे आगे भी ध्यान में रखेंगे, जो भी जरूरी कार्य होंगे उन्हें शत प्रतिशत पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। कहा मंत्री महोदया विस्तृत रूप से हर योजना का हवाला दे चुकी है सुझाव पेटिका के जरिए पार्टी लोगों की मंशा एकत्र करेगी। लोगों का रुझान बता रहा है कि मोदी जी निश्चित रूप से पुनः पीएम बनेंगे।लोकसभा प्रभारी दिनेश दुबे, विधानसभा प्रभारी आजाद भदौरिया, ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, श्यामू त्रिवेदी, मण्डल अध्यक्ष अनिल पांडेय पिंटू , भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, सतीश राठौर भी मौजूद रहे। भाजपा के जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत ने समापन पर सभी अभ्यागतों का आभार व्यक्त किया।

लोकतंत्र के लिए मतदान है जरूरी, शिया डिग्री कालेज की एनएसएस इकाई ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए डा अखछ्तर हसन रिजवी शिया डिग्री कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई से जुड़े छात्र–छात्राओं ने मंगलवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डा अवधेश कुमार की देखरेख में छात्रों ने मीरपुर, धन्नेपुर, मानेपुर, बड़कपुर, धरनीधरपुर आदि गांवों का भ्रमण कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। रैली में छात्र, छात्राएं मतदाता जागरूकता बैनर व तख्ती लिए तथा लोगों को मतदान करने हेतु जागरुकता स्लोगन व नारे लगाते चल रहे थे। इस अवसर पर सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी ने मतदान का महत्व समझाते हुए कहा कि लोकतंत्र में एक–एक वोट का महत्व है। सभी बच्चे अपने घर और पड़ोस के लोगों को लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान करने के लिए जागरूक करे। इससे शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल करने में आसानी होगी। युवा व महिला मतदाताओं को भी वोट डालने के लिए प्रेरित करें। तथा जो पुरुष या परिवार रोजगार व शिक्षा के सिलसिले से दूसरे शहरों

में गयें है उन्हें भी लोकतंत्र का महापर्व मनाने के लिए घर बुलाये और मतदान वाले दिन पोलिंग बूथ पर भेजकर मतदान कराये। उन्होंने कहा है कि वोट प्रतिशत बढ़ाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने जनपद के सभी महाविधालयो से अपील किया कि एन.एस.एस. व रोवर्स रेंजर के लगने वाले शिविरों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का कार्यक्रम चलाये और छात्र छात्राएं मतदान के लिए स्वम् व परिवार और आसपास के लोगों को सूची में अपना नाम चेक कर सकते हैं यदि 18 वर्ष से ऊपर किसी का नाम सूची में नहीं है तो तुरन्त इसी ऐप के माध्यम से फार्म 6 भरकर आवेदन करें। जिससे लोकसभा चुनाव में मतदान कर सकें। संचालन डा अवधेश कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ तस्नीम फात्मा, ई. शादाब हैदर, जयशंकर प्रसाद बिंद कलंदर, सतीश कुमार, हरेंद्र मौर्य, अंशुमान, राजन सहित शिया डिग्री कालेज के एनएसएस के छात्र छात्राएं व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

गणित विधि से बनते हैं क्रिकेट के कप्तान: प्रो. तारकेश्वर सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह रज्जू

भैया संस्थान के गणित विभाग में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, गोवा के गणित विभाग के प्रो. तारकेश्वर सिंह ने ज्यामितीय समस्याओं के हल पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने क्रिकेट टीम में से कप्तान चुनने के तरीकों को विभिन्न सूत्रों के माध्यम से समझाया। इसके अतिरिक्त प्रो. सिंह ने मल्टी–वैल्यूड फंक्शन, रामसे थ्योरम, एरदोस थ्योरम एवं एरदोस नंबर आदि के बारे में पीपीटी के माध्यम बताया। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कार्यक्रम का शुभारम्भ और मुख्य वक्ता का स्वागत किया। परिचय गणित विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दीपक कुमार मौर्य ने पढ़ा। कार्यक्रम संचालन प्रो. मिथिलेश सिंह और धन्यवाद ज्ञापन प्रो० राजकुमार ने किया. इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के गणित विभाग के शिक्षक सौरभ कुमार सिंह व विभिन्न छात्र–छात्राओं अजमत, शैलेंद्र प्रताप सिंह, विकास, एवं कोमल सिंह यादव उपस्थित रहे।

आरपीएफ के जवान ने ट्रेन में खोया बच्चा उसके परिजनों को सौंपा, जताया आभार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) अयोध्या को रेलवे कोच में एक लावारिस बच्चा मिला।इसकी सूचना कोच के लोगों ने आरपीएफ को दिया था। आरपीएफ के जवान ने बच्चे को बरामद कर इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन पर दिया।अयोध्या आरपीएफ के चौकी इंचार्ज अनुज कुमार ने बताया कि 3 मार्च को 139 रेलवे द्वारा सूचना पर हेड कांस्टेबल अनिल कुमार सिंह द्वारा गाड़ी संख्या 15054 के वातानुकूलित द्वितीय कोच से टीटीई प्रमोद दीक्षित ने एक लावारिस बच्चे जिसका नाम विशाल उर्फ निशान था।आरपीएफ को सूचना दिया। उपनिरीक्षक अनुज कुमार ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर कॉल किया। प्रीति तिवारी से बात किया कुछ देर बाद चाइल्ड हेल्पलाइन के दो स्टाफ प्रीति तिवारी और सुनीता यादव अयोध्या आरपीएफ चौकी पर उपस्थित हुई। चाइल्ड हेल्पलाइन को बच्चा लिखा पढ़ी के बाद सुपुर्द किया गया। बच्चे का नाम विशाल और उसके पिता का नाम राजीव था, जो लखीमपुर खीरी का रहने वाला था और उसकी उम्र लगभग 12 वर्ष था। अयोध्या मेले में आया था कि खो गया था। आरपीएफ चौकी प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि बच्चे का मेडिकल जिला अस्पताल में कराकर ठीक हालत में चाइल्ड लाइन की कर्मी अयोध्या प्रीति तिवारी व सुनीता यादव को अग्रिम कार्रवाई हेतु दिया गया। उनके माध्यम से आज इस बच्चे को उसके पिता राजीव कुमार निवासी लखीमपुर खीरी को बुलाकर सौंप दिया गया। लड़के के पिता ने आरपीएफ के चौकी प्रभारी अनुज कुमार, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार के प्रति आभार ज्ञापित किया तथा आरपीएफ के जवानों के कार्य को सराहा और खूब तारीफ किया।

एलपीसीपीएस में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा तीन दिवसीय (4–6 मार्च 2024) बौद्धिक संपदा और तकनीकी उन्नति६ विषयक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन सोमवार को प्रारम्भ किया गया ।अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन का आयोजन 4 मार्च, 2024 को किया गया था। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ.भरत राज सिंह और श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्य भूषण वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ६ मुख्यवक्ता रहे । एलपीसीपीएस के डीन एकेडमिक्स प्रो. डॉ. लक्ष्मी शंकर अवस्थी ने अतिथियों व सभी प्रतिभागियों ६ उपस्थितिगणों का स्वागत किया। कार्यक्रम में डॉ. भरत राज सिंह ने बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्रगति पर एक महत्वपूर्ण वक्तव्य व शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रतिभागियों ने तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किये, जिसमें श्यामलेंदू दास, अमित , सलोनी अग्रवाल, रश्मि सचान, अंशिका बेजल प्रमुख रहे।

सत्र के दौरान डीन एकेडमिक्स एलपीसीपीएस प्रो.डॉ. एल.एस.अवस्थी, कंप्यूटर साइंस के प्रमुख डॉ. एके राय, कॉमर्स के प्रमुख डॉ. दयाशंकर, मैनेजमेंट के प्रमुख डॉ. समीर कुमार, आर्टस के प्रमुख डॉ. नीरज सिंह, डॉ. तरु गुप्ता के साथ–साथ डॉ. आशीष कौशल, डॉ. मयंक, डॉ. हरिमोहन और अन्य संकाय सदस्य और छात्र भी उपस्थित रहे और ज्ञान अर्जन किया।

उत्तराखंड की छोलिया नृत्य और गुजरात का गरबा रास की मनभावन प्रस्तुति तुलसी उद्यान मंच पर

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। तुलसी उद्यान मंच पर चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार को संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश अयोध्या में पांच सौ वर्षों के लम्बें इंतजार के बाद अस्तित्व में आए भव्य मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का अंतरराष्ट्रीय रामोत्सव मकर संक्रान्ति से 14 जनवरी से होलिकोत्सव 24 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में सरस भजन का कार्यक्रम लोकप्रिय कलाकार नीशू त्यागी ने स्वरचित सोहर लोक गीत भी सुनाए। सुधि श्रोताओं से भरे तुलसी उधान के परिसर में नीशू त्यागी ने सबसे पहले सोहर लोक गीत "अयोध्या झूम उठे" सुनाकर अपनी गायकी की मधुर शुरुआत की। इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए ।विशाल गुप्ता और अरुण सोनकर ने लोक गीत ष्याम जी से पूछे जनक पुर की नारी६ सुनाया तो श्रोताओं ने करतल ध्वनि कर अपने उत्साह को प्रकट किया। इसके साथ ही कई बार उत्साहित राम भक्त श्रोताओं ने प्रभु राम के जयकारे भी लगाए। नीशू त्यागी ने अपना स्वरचित सोहर लोक गीत ""अयोध६ या झूम उठे" भी इस पावन मंच से अपने चाहने वालों के समक्ष प्रभावी रूप से रखा। लोगों की फरमाइश पर विशाल गुप्ता और अरुण सोनकर ने "सोला हजार सखी सोला हजार उनमें कनहिया खेले" और ष्होली खेले रघुवीरा अवध में" जैसे गीत भी सुनाए। उनके साथ साथी कलाकारों में नीशू त्यागी विशाल गुप्ता अरुण सोनकर, दिशा गुप्ता, सोनाली गोंड, फाल्गुनी सिन्हा, ढोलक पर सागर, आर्गन पर प्रमोद कुमार, पैड पर प्रकाश चन्द्र शामिल रहे। रामोत्तसव कार्यक्रम मे उत्तराखण्ड की नंदलाल व दल द्वारा छलिया नृत्य छोलिया नृत्य कहा जाता है यह एक तलवार नृत्य है जिसे प्रमुखतःशादी बारात हो या अन्य शुभ अवसरों पर किया जाता है जिसमें की ढोल,दमाऊ तुरी मास्कबिन आदि वाद यंत्रों के साथ विशेष वेशभूषा पहन कर सांकेतिक ढाल,तलवार लेकर युद्ध कौशल का प्रदर्शन करने वाला नृत्य छोलिया अथवा छलिया नृत्य कहा जाता है की प्रस्तुति को देख दर्शकों ने जमकर तालियां बजाई और खूब सराहा। दूसरी प्रस्तुति लखीमपुर से आए आचार्य पवन दत्त शर्मा बहुत की प्रस्तुति राम नाम का गुणगान बहुत प्रशंसनीय रही। इसके पश्चात देवघर उत्तराखंड से आए मनोज अजीत की लोक गायन अयोध्या में दिवाली है, मेरे प्रभु राम आये है, श्री रामचंद्र कृपाल हरि नाम श्रनारघुनायकम, अयोध्या आए श्री राम,बोलो जय जय श्री राम, ष्याम जी की सेना चली, होली गीत– होली खेले रघुवीरा अवध में होली खेले ,अवध में आ गए राजा राम की प्रस्तुति श्रोताओं को राम नाम से सराबोर कर दी।इसके पश्चात गुजरात हेमंग व्यास व दल द्वारा गुजरात का गरबा माता रानी की स्थिति में सरु आराधना जिसमें सभी महिलाएं अपने माथे पर गरबा और मांडवी लेकर गरबा घूमती है इस नृत्य में माता जी को बीच में रखकर गोल–गोल घूमते हैं की मातृशक्ति की की प्रस्तुति बहुत ही शानदार रही दर्शकों को सराहा इसके पास साथ लखनऊ के निशु त्यागी की लोग गायन और नृत्य होली खेले रघुवीरा होली के रंगों से श्रोताओं को दर्शकों को भिगो दिया। इसके पश्चात डॉ सीमा मोदी की नृत्य नाटिका राम जी के विभिन्न कथाओं पर आधारित की प्रस्तुति जोरदार रही। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी प्रदेश से आए कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

शिक्षकों की समस्याओं को लेकर महानिदेशक स्कूली शिक्षा को संबोधित सौंपा गया ज्ञापन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शिक्षकों की समस्याओं को लेकर महानिदेशक स्कूली शिक्षा को संबोधित ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी महोदय पूरा को सौपा गया। आज की प्रमुख मांगों में विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए टैबलेट को सक्रिय करने हेतु सरकारी सिम कार्ड उपलब्ध कराया जाए। शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की भाँति एक कैलेंडर वर्ष में 31 दिवस का उपार्जित अवकाश, प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार अवकाश तथा अर्ध आकस्मिक अवकाश अनुमन्य किया जाए। ज्ञापन देते हुए जिला मंत्री डॉक्टर चक्रवर्ती सिंह ने बताया की 23 अक्टूबर एवं 6 नवंबर 2023 को उत्तर प्रदेश के प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में वार्ता हुई, जिसमें शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए एक कमेटी बनाई गई। लेकिन चार माह बीत जाने के बाद भी किसी भी समस्या का निराकरण नहीं हुआ अतः इस ज्ञापन के माध्यम से हम लोग मांग करते हैं कि हमारी जायज मांगों का शीघ्र निराकरण हो। ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र गुप्ता ने बताया की शिक्षक लगातार समस्याओं से जूझ रहा है, उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है, जिससे शिक्षकों का मनोबल कमजोर हो रहा है। ज्ञापन देने के समय मुख्य रूप से संचराज वर्मा, अनिल प्रताप सिंह, सुनील अवस्थी, राजीव सिंह, महेश सिंह, अनिल सिंह, राम सूरत शर्मा,अमित सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, राम मनोज शरण, सुमित सिंह, मन्जू सिंह, कौशलेंद्र शर्मा, राम बहाल, मीरु सहाय, पुष्पा वर्मा, रीनू सिंह, सरोजनी सिंह, शबीब फातिमा, मनोज कुमार, अर्जुन सिंह सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

मानव सेवा परमात्मा की असली सेवा है सेवा के मामले में प्रयास ट्रस्ट की अलग पहचान – रामचंद्र यादव

अयोध्या। प्रयास ट्रस्ट द्वारा लगाया गया स्वस्थ्य परीक्षण शिविर निःस्वार्थ भाव मनुष्य की सेवा परमात्मा की सेवा है मानवता के हितैषी सभी धर्मो के संत महंतो नें यही बात कही है। उक्त बातें आज ग्राम महुलारा बिधानसभा मिल्कीपुर में रक्तदान दाताओ और उपस्थित ग्रामीणों के बीच रुदौली बिधायक रामचंद्र यादव नें कहीं उन्होंने कहा कि आज सम्पूर्ण प्रदेश में प्रयास ट्रस्ट द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना हो रही है। आज के कार्यक्रम में 50 यूनिट ब्लड का कलेक्शन किया गया 400 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण और 100 लोगों का नेत्र परीक्षण संपन्न हुआ इस अवसर पर प्रयास ट्रस्ट के अध्यक्ष राम अवध यादव सहित सभी कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज परिसर से निकली शोभायात्रा

अयोध्या। शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर शहर के हैदरगंज मुहल्ला स्थित चित्रगुप्त मंदिर परिसर में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम चल रहा है। मंगलवार को सुधा गुप्ता पूर्व पार्षद व विजय प्रकाश राष्ट्रीय महामंत्री राष्ट्रीय कायस्थ विचार फाऊंडेशन की अगुवाई में मां पार्वती स्वरूप अरघा की शोभायात्रा निकाली गई। जो चित्रगुप्त मन्दिर से निकलकर कई गलियों व चौराहों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पर आकर सम्पन्न हुई।इस मौके पर नन्दनी श्रीवास्तव,सोनी गुप्ता,शशि श्रीवास्तव, संगीता, मंजू, मीना,रेनू, शालू श्रीवास्तव के अलावा आनन्द गुप्ता,कैलाश लाल श्रीवास्तव,शिव शंकर, सुरेश चन्द्र,जगदीश यादव,राजू सोनी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर चित्रांश सेवा ट्रस्ट हैदरगंज के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र श्रीवास्तव अध्यक्ष ने बताया कि अविनाश चंदा,अरुण कुमार सिन्हा,वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ,अनिल कुमार श्रीवास्तव ग्रेटर नोएडा, के विशेष सहयोग से चल रहे शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा कार्यक्रम का दूसरे दिन पुरोहित राजेंद्र पांडे व रामनरेश तिवारी आज के मुख्य यजमान सपत्नीक शैलेश कुमार श्रीवास्तव, विजय कुमार श्रीवास्तव रहे।

व्यापार बढ़ेगा व्यापारियों को होगा लाभ – संजय गुप्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट द्वारा आज हरदोई, सीतापुर ,बाराबंकी, उन्नाव, रायबरेली को जोड़कर लखनऊ को राज्य राजधानी क्षेत्र के रूप में विकसित किए जाने के प्रस्ताव पास होने पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने प्रसन्नता जाहिर की तथा उन्होंने कहा इससे लखनऊ सहित आसपास के जिलों का विकास और अधिक गति से होगा तथा व्यापारियों को लाभ होगा प्रदेश एवं विशेष रूप से लखनऊ में व्यापार और तेजी से बढ़ेगा तथा रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा उन्होंने योगी सरकार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सुरक्षा सैनिक व सुपरवाइजर की भर्तियां ब्लाक स्तर पर, तिथियां हुई निर्धारित

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। कंपनी के डिप्टी कमांडेंट बताया कि जनपद के सभी विकास खण्ड मुख्यालयो में एसआईएस इंडिया लि0 जौनपुर के तत्वाधान में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु शिविर का आयोजन किया जायेगा। एसआईएस इंडिया लि0 भारत की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है। जो सुरक्षा प्रदान करने का कार्य पूरे भारत व विदेशो में कर रही है। इस शिविर में सुरक्षा सैनिक व सुपरवाइजर की नियुक्ति की जायेगी। शिविर का आयोजन कोविड–19 के प्रावधानो के तहत सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क का प्रयोग के साथ किया जाना होगा ।विकास खण्ड मुख्यालयो पर तिथिवार आयोजित शिविर के पूर्ण विवरण अनुसार तिथियां ब्लाक स्तर पर निर्धारित की गई है।06 और 07 मार्च को मसौधा और मिल्कीपुर ब्लॉक, 08 और 09 को बीकापुर और हैरिंग्टनगंज ब्लॉक, 10 और 11 मार्च को तारून और रुदौली, 12 और 13 मार्च को पूराबाजार और मवई ब्लॉक, 14 और 15 मार्च को सोहावल और मयाबाजार,16 मार्च को अमानीगंज ब्लॉक में शिविर का आयोजन होगा।उन्होंने बताया कि किसी ब्लॉक के अभ्यर्थी किसी भी ब्लॉक में भर्ती देख सकते हैं। वही जिला विकास अधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों ने इन शिविरो के सफल आयोजन के लिए सभी खण्ड विकास अधिकारियो को निर्देशित किया गया है कि वे आपेक्षित सहयोग प्रदान करेंगे तथा भर्ती अधिकारी मनीष कुमार व चंदन मौर्य द्वारा आयोजन को लेकर अपेक्षाओ के अनुरूप अपना सहयोगात्मक योगदान देंगे।भर्ती अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर पद के लिए शारीरिक माप दण्ड जिसमें लम्बाई 168 सेंमी, सीना 80–85 सेंमी तथा उम्र 21 से 36 के बीच ,वजन 56 से ज्यादा 90 से कम, योग्यता हाईस्कूल पास होना चाहिए। उन्होंने इच्छुक बेरोजगार युवको को उक्त निर्धारित तिथिया अपनी सुविधानुसार संबंधित ब्लाको में निर्धारित शिविर में भर्ती हेतु प्रतिभाग कर सकते है जिसमें चयनित अभ्यर्थियो का पंजीकरण करने के लिए 350रू0 ऑनलाइन जमा करना होगा। पंजीकृत चयनियत अभ्यर्थियो को प्रशिक्षण अथवा ट्रेनिंग के लिए जौनपुर भेजा जायेगा, जहाँ प्रत्येक चयनित एवं इच्छुक उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के दौरान एक माह प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हें तैनाती स्थलो पर सुरक्षा के कार्य में स्थाई तैनाती दिया जायेगा। जहाँ नौकरी के दौरान पीएफ ईएसआई, ग्रेच्युटी,बीमा,पेंशन की सुविधा है।

सन फ्लावर एजुकेशनल एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक उत्सव

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। सन फ्लावर एजुकेशनल एकेडमी रुदौली में वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान नन्हे मुन्हे बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए प्रधानाचार्या अजरा ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया रुप देते हैं। हमें समाज को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवारों के बढ़ने के साथ–साथ उनको युवा पीढ़ी को संस्कारित एवं सकारात्मक मार्ग दर्शन की आवश्यकता है। कार्यक्रमों से छात्रों में छिपी हुई प्रतिभा को निखारना आसान होता है। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमे बेटी के महत्व को दर्शाया गया तथा सरदार भगत सिंह का बलिदान नाटक अत्यंत सराहनीय रहे इस बीच रुदौली कोतवाल देवेंद्र सिंह ने बच्चों की प्रतिभा की जमकर तारीफ की कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ।अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन अलीम कशिश ने किया प्रबंधक विमला यादव, संरक्षक राम सरन यादव सहित डॉ फिरोज, विजय सिंह, बजरंगबली यादव, रुहान इंटरनेशनल के एम. डी. समीर मोनिस,शबीउल हसन, कमलेश यादव, तारिक रूदौलवी, मो0 राशिद व क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कई जन्मों के पुण्य के बाद हो रहा रामलला का दर्शन पूजन - मोहन यादव

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी पूरी कैबिनेट के साथ रामनगरी अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचे।जहां सभी का ढोल नगाड़ों की बीच भव्य स्वागत हुआ।उनके साथ कुल 63 लोग अयोध्या आए हैं।इनमें भाजपा के विधायक और अधिकारी भी शामिल रहे।दर्शन पूजन करने से पहले एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि कई जन्मों के पुण्य के बाद ये दर्शन प्राप्त हो रहा है, प्राण प्रतिष्ठा के बाद 22 जनवरी अमर दिवस हुआ है, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का संबंध 2000 वर्ष पुराना है, महाराज विक्रमादित्य अयोध्या आकर राम मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था, विकास कार्य करवाए थे,500 साल बाद फिर एक अच्छा समय आया है। उन्होंने बताया भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या के भव्य नगरी बनी है, अयोध्या पहुंचकर प्रभु श्री राम के चरणों में प्रणाम करते हैं,प्रदेश की सरकार आगामी दिनों में जनता के लिए कार्य करें, मेरी तरफ से उत्तर प्रदेश वासियों को बहुत–बहुत बधाई, अयोध्या कर कई जन्मों के पुण्य प्राप्त हुए हैं, अयोध्या काशी मथुरा यह तो मोक्ष प्रदान करने वाली नगरी है, ऐसे में यहां आकर जो आनंद आता है उसकी किसी से तुलना नहीं हो सकती, उत्तर प्रदेश सरकार चाहेगी तो अयोध्या में मध्य प्रदेश भवन बनाकर तो यात्रियों के लिए एक सुविधा केंद्र भी बनाएंगे, सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर घाट भी बनाएंगे।बता दे कि एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में कैबिनेट व उनके अधिकारी रामलला का दर्शन के लिए रवाना हुआ। एयरपोर्ट पर चार ई बस लगाई गई थी। अपने मंत्रियों विधायकों के साथ सीएम भी ई बस से निकले, एयरपोर्ट पर सांसद लल्लू सिंह, विधायक राम चंद्र यादव व भाजपा अयोध्या इकाई भी मौजूद रही।

सोनिक स्टेशन की गुड्स साइडिंग और एप्रोच रोड जल्द होंगे अपग्रेड

लखनऊ स्टेशन के टिकट काउन्टर पर यात्रियों को यूटीएस ऑन मोबाइल की दी जानकारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मंडल रेल प्रबंधक, श्री एस. एम. शर्मा ने मण्डल के अन्य अधिकारियों के साथ लखनऊ–कानपुर रेल खण्ड पर लखनऊ से सोनिक स्टेशन के मध्य विंडो ट्रेलिंग करते हुए निरीक्षण किया एवं स्टेशन पर पहुंचकर वहाँ की कार्य प्रगति के बारे मे जानकारी प्राप्त की।

आज के इस निरीक्षण कार्यक्रम के प्रमुख बिन्दु निम्नवत हैं–

–मण्डल रेल प्रबंधक ने लखनऊ स्टेशन पर पहुंचकर वाणिज्यिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लखनऊ स्टेशन का संक्षिप्त निरीक्षण किया। टिकट काउंटरों पर यात्रियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उनकी सुविधा के लिए UTSONMOBILE ऐप के माध्यम से टिकट प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।

–लखनऊ–सोनिक रेल खंड पर विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान इस खंड में चल रही बुनियादी परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया, विशेष रूप से ट्रैक, ओ.एच.ई और सिग्नल प्रणाली मे अपग्रेडेसन की बात कही । –सोनिक स्टेशन पहुँच कर गुड्स साइडिंग का निरीक्षण किया एवं टर्मिनल के आउटपुट को बढ़ाने के लिए एफ. सी. आई कर्मचारियों के साथ चर्चा की एवं एप्रोच रोड का निरीक्षण किया तथा गुड्स साइडिंग पर शेड , पेय जल की व्यवस्था , टर्मिनल की मरम्मत आदि के कार्यों का मूल्यांकन किया और स्टेशन पर कार्य करने वाले श्रमिको से बातचीत की । आज के इस निरीक्षण में मण्डल के विभिन्न विभागों के शाखाध्यक्ष एवं रेलकर्मी उपस्थित रहे।

आन लाइन फीस जमा कर वाहनों का कराये फिटनेस – एआरटीओ प्रशासन

अयोध्या। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये आरटीओ विभाग भी रणनीति बनाने में जुटा हुआ है। एआरटीओ प्रशासन आर पी सिंह ने ऐसे वाहन स्वामियों से अपील किया है कि जिनके वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि वे सभी वाहन स्वामी लोकसभा चुनाव से पहले पहले अपने अपने वाहन की फिटनेस आन लाइन फीस जमा कर करा ले।नही तो बाद में लापरवाही बरतने की पूरी जिम्मेदारी संबंधित वाहनों के स्वामियों की होगी।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर संग्रह अमीनों ने दिया ज्ञापन

सुल्तानपुर– राजस्व संग्रह अमीनों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना को संबोधित ज्ञापन। पुरानी पेंशन बहाली समेत सौंपे 11 सूत्रीय मांग पत्र। जिलाध्यक्ष भृगुदेव तिवारी और जिला मंत्री राम निरंजन की उपस्थिति में अमीनों ने जताया आक्रोश। लंबित भुगतान सुनिश्चित करने, प्रोन्नति पत्र परिषद भेजे जाने, तहसील सदर और कादीपुर में संग्रह अमीन कक्षा मरम्मत करने,अमीनों से वसूली के अतिरिक्त अन्य कार्य न लिए जाने,अमीनों का शहरी और ग्रामीण वसूली मानक फिर से समीक्षा कराने,राजस्व बंदी गृह को खाली कराकर राजस्व बंदी की व्यवस्था करने का उठाया मुद्दा।

एलएलबी की परीक्षा में नकल करते धरे गए सात नकलची

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय की एलएलबी परीक्षा में सोमवार को कुल सात परीक्षार्थी नकल करते धरे गए। प्रथम पाली में सचलदल की सघन तलाशी में सिटी लॉ कॉलेज में 02 व अवध लॉ कॉलेज बाराबंकी में 01 परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करते पकड़ा। वही द्वितीय पाली की परीक्षा में किसान पीजी कॉलेज बहराइच सचल दल ने 04 परीक्षार्थी को अनुचित साधन का प्रयोग करते धरा। परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि प्रथम पाली में एलएलबी त्रिवर्षीय पंचम सेमेस्टर की परीक्षा 03 व एलएलबी पंचवर्षीय सप्तम सेमेस्टर की परीक्षा में 04 नकलची पकड़े गए है। इस दिन की सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।